<u>नवोदय</u>

नवोदय खुले, नवोदय खुले,
जिले–जिले में,
देख रहा है संसार,
हर राज्य के हर जिले में,
हो रहा शिक्षा का प्रसार ||१||

बच्चे पढते और यहाँ पर,
करते अच्छे काम,
परीक्षाओं में नंबर लेकर,
करते रोशन काम ||२||

खुली इमारत, खुला आकाश,
और है बडे मैदान,
इनमें रहकर बच्चें करते,
शबको सुख का दान ||३||

कला, सांरस्कृतीक और खेलों में,
लेते बढ चढ कर हिस्सा,
बडे होकर देश की सेवा करते,
ये है इनका लक्ष महान ||४||

अध्यापक गण भी है, ऐसे,
जो बच्चों को देते वरदान,
बच्चे भी मिल–जुल कर,
करते उनका सन्मान ||५||

बाहर जा–जा कर नाम कमाते,
सबके मन को हर्षाते,
शत्–शत् नमन नवोदय परिवार को,
हर दम हम सब मन में गाते . . ||६||

– रवि लाड
प्रधानाचार्य
ज.न.वि. कागल, कोल्हापूर